घोषणा-पत्र

मैं **श्रीकान्त जायसवाल** यह घोषणा करता हूँ कि मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के मानवविज्ञान विभाग में एम. फिल. उपाधि हेतु ***"ग्रामीण-क्षेत्र में निर्धनता एवं प्रवासन"*** (उत्तर-प्रदेश के मिर्ज़ापुर जिले के दो ग्रामों गोविंदपुर व भवानीपुर के विशेष संदर्भ में एक मानवशास्त्रीय अध्ययन) विषय पर प्रस्तुत मेरा यह शोध प्रतिवेदन प्रश्न-पत्र के लिए स्वयं के प्रयास का प्रतिफल है। जिसे मैंने **डॉ॰ निशीथ राय** (सहायक प्रोफेसर) मानवविज्ञान विभाग म॰गां॰अं॰हि॰ विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) के सतत् शोध-निर्देशन मे पूर्ण किया।

मेरा यह मौलिक और अप्रकाशित शोध प्रबंध है। मेरे संज्ञान में यह शोध प्रबंध अन्य कहीं किसी भी उपाधि हेतु प्रस्तुत नही किया गया है। इस शोध कार्य में जो कमियाँ रह गई हैं उसके लिए मैं स्वयं जिम्मेदार हूँ।

शोधकर्ता -

दिनांक :

स्थान :

श्रीकान्त जायसवाल

एम॰फिल॰(अंतिम) मानवविज्ञान

म॰गां॰अं॰हि॰ विश्वविद्यालय, वर्धा

पंजीयन सं॰ - 2013/05/201/003

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

Date: / /

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीकान्त जायसवाल एम.फिल. मानवविज्ञान में लघु शोध प्रबंध के लिए ***"ग्रामीण-क्षेत्र में निर्धनता एवं प्रवासन"*** (उत्तर-प्रदेश के मिर्ज़ापुर जिले के दो ग्रामों गोविंदपुर व भवानीपुर के विशेष संदर्भ में एक मानवशास्त्रीय अध्ययन) विषय पर लघु शोध प्रस्तुत किया है।

यह शोध प्रबंध स्वयं उनके द्वारा संग्रहित किए गये तथ्यों पर आधारित है।

शोध निर्देशक -

डॉ॰ निशीथ राय

सहायक प्रोफेसर, मानवविज्ञान विभाग

म॰गां॰अं॰हि॰ विश्वविद्यालय, वर्धा

गांधी हिल्स, वर्धा-442005 (महाराष्ट्र) भारत

Gandhi Hills, Wardha-442005 (Maharshtra), INDIA

Website: www.hindivishwa.org

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

डॉ. फरहद मलिक

Dr. Farhad Malik

विभागाध्यक्ष, मानवविज्ञान विभाग

Head of Department, Dept. of Anthropology

Date: / /

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीकान्त जायसवाल एम.फिल. मानवविज्ञान में लघु शोध प्रबंध के लिए ***"ग्रामीण-क्षेत्र में निर्धनता एवं प्रवासन"*** (उत्तर-प्रदेश के मिर्ज़ापुर जिले के दो ग्रामों गोविंदपुर व भवानीपुर के विशेष संदर्भ में एक मानवशास्त्रीय अध्ययन) विषय पर लघु शोध प्रस्तुत किया है।

उनका विषय के संदर्भ में विश्लेषणात्मक प्रयास निःसंदेह प्रशंसनीय है।

डॉ. फरहद मलिक

विभागाध्यक्ष, मानवविज्ञान विभाग

म.गां.अं.हि. विश्वविद्यालय,वर्धा

गांधी हिल्स, वर्धा-442005 (महाराष्ट्र) भारत

Gandhi Hills, Wardha-442005 (Maharshtra), INDIA

Website: www.hindivishwa.org

-: आभार :-

एक प्रसांगिक शोध के सफल निष्पादन के लिए शोध दृष्टि, सरंचनात्मक क्रिया विधि व सूक्ष्म विश्लेषणात्मक अध्ययन की आवश्यकता होती है। इतने नियोजन के बावजूद शोध क्षेत्र का कोई पक्ष ऐसा नही होता है जहां दूसरों के दिशा निर्देश मार्गदर्शन एवं सहयोग की संभावना नगण्य हो।

शोध की योजना से लेकर शोध प्रबंध को पूर्ण होने तक कठिनाईयों, आवश्यकताओं एवं दिशा-निर्देशों हेतु अनेक विद्वानों की सहायता ली गयी है।

सर्वप्रथम मैं अपने शोध निर्देशक डॉ॰ निशीथ राय के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने “ग्रामीण क्षेत्र में निर्धनता एवं प्रवासन” नामक शीर्षक पर शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया। इन्होंने शोध संबंधी विभिन्न बारीकियों को भली-भाँति समझाया तथा समय-समय पर अपने विद्वता से मेरे कार्य क्षेत्र में सहयोग प्रदान किया।

साथ हीं मैं मानवविज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. फरहद मलिक का आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने शोध विषय में आने वाली समस्याओं के बारे में पूछते रहे और उत्पन्न समस्या का उचित निवारण सुझाते रहे।

मैं डॉ॰ विरेन्द्र प्रताप यादव का भी आभारी हूं कि उन्होंने मेरे अध्ययन में जरूरी पुस्तकों के बारे में ज्ञान प्रदान किया और समय-समय पर उचित परामर्श भी देते रहे।

इसके बाद क्षेत्र कार्य के दौरान जिन व्यक्तियों ने मेरी मदद की उनको धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मुख्य सूचनादाता श्री कमल कुमार जी का आभारी हूं, जिन्होंने संपूर्ण गाँव का भ्रमण कराया तथा मेरे रहने का भी प्रबंध किया। ग्राम प्रधान श्रीमती माधुरी देवी जी का भी आभारी हूं जिन्होंने आवश्यक सूचनाएँ प्रदान की। इसके साथ-साथ मैं उन समस्त ग्रामवासियों का भी आभारी हूं जिन्होंने मेरे शोधकार्य में अपनी सहभागिता दी।

इस शोध कार्य के लिए जितनी तत्परता और उत्सुकता के साथ हमारे अग्रज व बड़े भाई धीरेन्द्र कुमार राय, उमेश कुमार सिंह, पंकज कुमार सिंह तथा अज़ीज मित्र अभिषेक त्रिपाठी, संजय गुप्ता, शिव गोपाल सिंह ने मुझे सहयोग प्रदान किया, मैं इनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

.....धन्यवाद

दिनांक -

शोधार्थी -

श्रीकान्त जायसवाल

एम॰फिल॰(मानवविज्ञान)

-: अध्यायानुक्रम :-

अध्याय क्रमांक		अध्याय का नाम	पृ. सं.
प्रथम अध्याय	:-	प्रस्तावना	1 – 20
द्वितीय अध्याय	:-	शोध-प्रविधि तथा शोध-क्षेत्र एवं क्षेत्र-वासियों का विवरण	21 - 44
तृतीय अध्याय	:-	ग्रामीण-क्षेत्र में निर्धनता का MPI की गणनात्मक प्रविधि से मापन एवं व्याख्या	45 - 72
चतुर्थ अध्याय	:-	ग्रामीण-क्षेत्र में प्रवासन की कारणों सहित व्याख्या	73 - 87
पंचम अध्याय	:-	निष्कर्ष एवं सुझाव	88 - 93
परिशिष्ट	:-	(अ)- संदर्भ-ग्रंथ सूची	94 - 96
		(ब)- साक्षात्कार-अनुसूची	97 – 104

-: सारणियों की सूची :-

सारणी सं.	विवरण	पृ.सं.
2.1.	क्षेत्रवासियों का परिचयात्मक विवरण	36 - 37
2.2.	प्रतिदर्श परिवारों के कुल सदस्यों का विवरण	44
3.1.(i). से 3.1.(viii). तक	प्रति सारणी 5 परिवारों के सूचक आधारित भारांक गणना का प्रदर्शन (गोविंदपुर ग्राम)	46 - 53
3.1.(ix).	गोविंदपुर ग्राम के परिवारों का सूचक आधारित वंचन का प्रतिशत	56
3.2.(i). से 3.2.(viii). तक	प्रति सारणी 5 परिवारों के सूचक आधारित भारांक गणना का प्रदर्शन (भवानीपुर ग्राम)	59 - 66
3.2.(ix).	भवानीपुर ग्राम के परिवारों का सूचक आधारित वंचन का प्रतिशत	69

-: चित्रों की सूची :-

चित्र	पृ.सं.
2.1. उत्तरदाता परिवारों में राशन-कार्डो की संख्या एवं प्रकार	38
2.2. जॉबकार्ड धारक परिवारों की संख्या	39
2.3. पारिवारिक वार्षिक-आय आधारित विवरण	40
2.4.(क). पारिवारिक-ऋण विवरण	41
2.4.(ख). गोविंदपुर ग्राम	41
2.4.(ग). भवानीपुर ग्राम	41
2.5. सदस्य-संख्या के आधार पर परिवार का विवरण	43
4.1.(क). उत्प्रवासन से प्रभावित परिवार	73
4.1.(ख). प्रवासित परिवार व सदस्य संख्या	73
4.2.(क). बेरोज़गारी का सामना करने वाले परिवारों का विवरण	75
4.2.(ख). प्रभावित परिवारों के अनुसार बेरोज़गारी का स्वरूप	75
4.3.(क). गोविंदपुर ग्राम में प्रवासन हेतु स्थानीय परिस्थितियाँ एक कारण के रूप में	77

चित्र	पृ. सं.
4.3.(ख). भवानीपुर ग्राम में प्रवासन हेतु स्थानीय परिस्थितियाँ एक कारण के रूप में	77
4.4. प्रवासन पर शिक्षा का प्रभाव	79
4.5.(क). प्रवासन हेतु बेरोज़गारी/निर्धनता एक कारक के रूप में (गोविंदपुर ग्राम में)	81
4.5.(ख). प्रवासन हेतु बेरोज़गारी/निर्धनता एक कारक के रूप में (भवानीपुर ग्राम में)	82
4.5.(ग). प्रवासन हेतु बेरोज़गारी/निर्धनता एक कारक के रूप में (कुल)	83
4.6.(क). प्रवासन हेतु स्थान के चुनाव का आधार होता है (गोविंदपुर ग्राम)	84
4.6.(ख). प्रवासन हेतु स्थान के चुनाव का आधार होता है (भवानीपुर ग्राम)	85
4.6.(ग). प्रवासन हेतु स्थान के चुनाव का आधार होता है (कुल)	86

-: मानचित्रों की सूची :-

मानचित्र	पृ.सं.
2.4. भारत के मानचित्र में उत्तर-प्रदेश की स्थिति	XI
2.5. उत्तर-प्रदेश के मानचित्र में मिर्ज़ापुर की स्थिति	XII
2.6. मिर्ज़ापुर जिले का मानचित्र	XIII
2.7. मिर्ज़ापुर के तहसील के मानचित्र में चुनार की स्थिति	XIV
2.8. गोविंदपुर और भवानीपुर ग्राम का नक्शा	XV

मानचित्र संख्या – 2.1

भारत के मानचित्र में उत्तर-प्रदेश की स्थिति

मानचित्र संख्या – 2.2

उत्तर-प्रदेश के मानचित्र में मिर्ज़ापुर की स्थिति

मानचित्र संख्या – 2.3

मिर्ज़ापुर जिले का मानचित्र

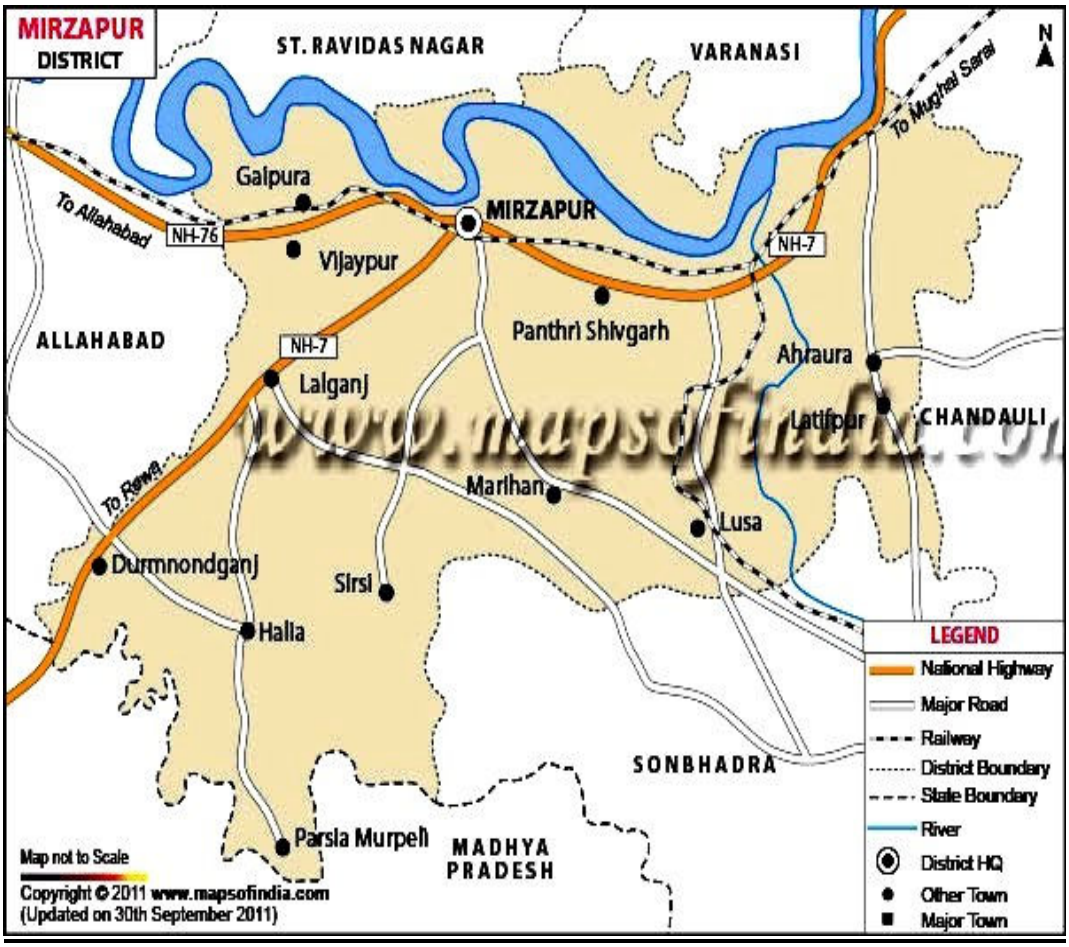

मानचित्र संख्या – 2.4

मिर्ज़ापुर के तहसील के मानचित्र में चुनार की स्थिति

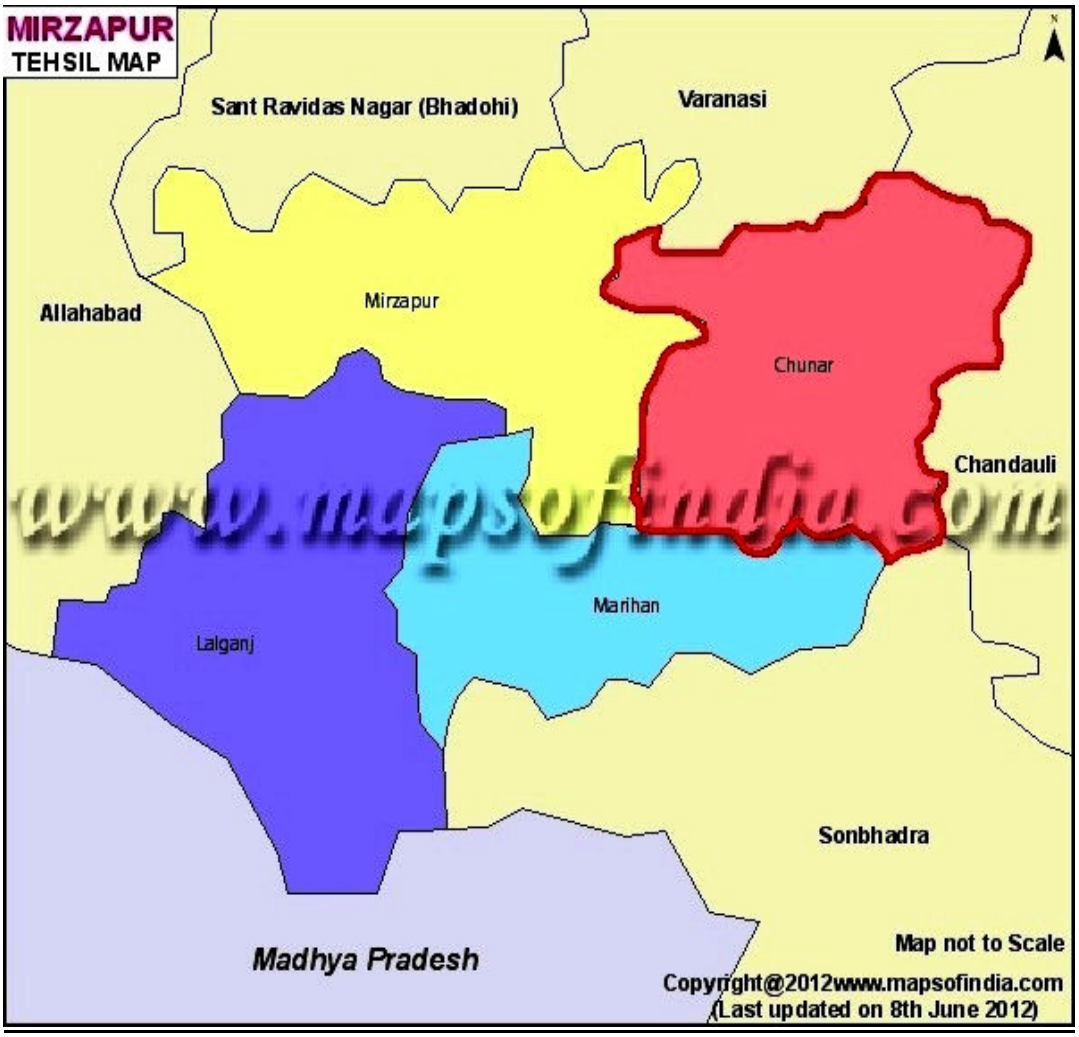

मानचित्र संख्या – 2.5
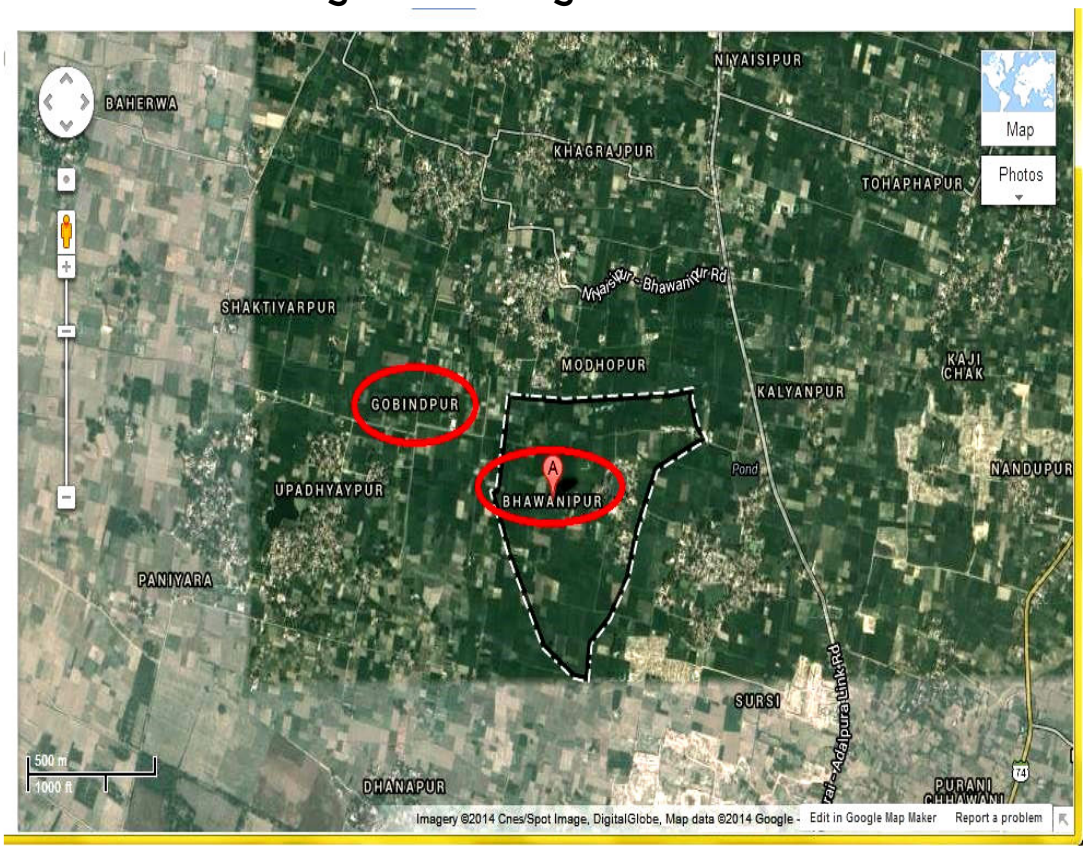
गोविंदपुर और भवानीपुर ग्राम का नक्शा